भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : *145
उत्तर देने की तारीख : सोमवार, 02 मार्च, 2020
12 फाल्गुन, 1941 (शक)

फतेहपुर सीकरी में मुगलकालीन बैराज की पुनर्बहाली

***145. श्री राजकुमार चाहर:**

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या लाल किला, दिल्ली के चारों ओर के खंदक में वर्षा-जल का कुशल उपयोग करने के लिये, लाल किले के समीप मुगलकालीन नाले की तर्ज़ पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का फतेहपुर सीकरी तथा वहां मौजूद किले के लिये भी एक ऐसी ही परियोजना का प्रारूप तैयार कर उसे कार्यान्वित करने का विचार है;
(ख) क्या भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को यह भी ज्ञात है कि '13 मोरी' के नाम से एक मुगलकालीन बैराज, जो फतेहपुर सीकरी में अकबर किले के पीछे विद्यमान था, जीर्णशीर्ण अवस्था में है;
(ग) क्या सरकार के पास इस बैराज को पुन: आरंभ करने तथा इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने एवं खेतों के लिये पानी की आपूर्ति किये जाने की कोई योजना है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

लोक सभा में दिनांक 02.03.2020 को उत्तरार्थ तारांकित प्रश्न संख्या *145 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) : विभिन्न स्थलों पर संरक्षण कार्य एक स्मारक विशिष्ट होता है और संसाधनों की उपलब्धता तथा स्थल की आवश्यकता के अनुसार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किले सहित फतेहपुर सीकरी में नियमित रूप से आवश्यक संरक्षण कार्य भी किया जाता है। वर्षा के जल का उपयोग करने के लिए लाल किला, दिल्ली जैसी भूमिगत जल व्यवस्था फतेहपुर सीकरी में नहीं देखी गई थी। अत: ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ख) : जी, हां। फतेहपुर सीकरी में '13 मोरी' भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का एक संरक्षित स्मारक है जिसका नियमित रूप से संरक्षण कार्य किया जाता है और वह भली-भांति परिरक्षित है।

(ग) और (घ) : वर्तमान में, ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।